Series S5RPQ

SET-1

प्रश्न-पत्र कोड **29/5/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

[]

नोट

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(v) यथासंभव सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

'मनुष्य विवेकशील प्राणी है तथा उसके सारे कार्य बुद्धि से प्रेरित हुआ करते हैं । उसमें उचित-अनुचित और भले-बुरे को समझने की विशेष बुद्धि होती है । इसलिए वह समस्त प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है । भूत-वर्तमान और भविष्य के बीच तालमेल बैठाकर वह अपने क्रियाकलाप निश्चित करता है एवं तदनुसार ही उसके जीवन का भला-बुरा स्वरूप निर्मित होता रहता है ।

प्राचीन काल में विचारशील मनुष्यों ने सुखी एवं उन्नतिशील समाज की रचना के उद्देश्य से उच्च आदर्शों की पृष्ठभूमि पर जिस आचरण-संहिता का निर्माण किया उसे समय-समय पर युगानुकूल परिवर्तनों तथा संशोधनों द्वारा निरंतर जीवंत बनाए रखा । मनीषियों के चिंतन स्वरूप हमें सत्-असत्, न्याय-अन्याय तथा धर्म-अधर्म की जानकारी प्रत्येक युग में मिलती रहती है ।

मनुष्य ने सदा सुमति पाने की इच्छा प्रकट की । प्रत्येक सुखी एवं सदाचारी व्यक्ति सुमति का धनी होता है । बुद्धि यदि सुपथगामिनी होती है, तो विश्व की समस्त सिद्धियाँ सहज ही प्राप्त होती हैं तथा जीवन में सच्चे आत्म-संतोष एवं सुख का निवास होता है । ऐसा व्यक्ति अपने साथ औरों के सुख की भी कामना रखता है । 'बुद्धिर्यस्य बलं तस्य' अर्थात् वही शक्तिशाली है, जिसमें बुद्धि होती है ।

सद्बुद्धि न केवल सही मार्गदर्शन कराती है, बल्कि व्यक्ति को समय-समय पर नियंत्रित भी करती है । जब कभी मनुष्य भावावेश में आकर सही मार्ग से भटक जाता है उस समय सद्बुद्धि उसे रोकने का प्रयास करती है तथा उसे उचित मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है ।

जहाँ सुमति का अभाव होता है वहाँ दुर्मति का प्रभाव स्थापित हो जाता है । अपने सुख की चिंता में व्यक्ति स्वार्थ-केंद्रित हो जाता है । ईर्ष्या-द्वेष, छल-कपट, हिंसा, आदि भावनाएँ उसके मन-मस्तिष्क को कलुषित कर देती हैं ।

(i) जीवधारियों में मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ क्यों माना जाता है ? *1*

(A) वह भूत भविष्य से तालमेल बैठाकर काम करता है।

(B) वह अन्य जीवों से अधिक समझदार होता है।

(C) उसमें भले-बुरे को समझने की बुद्धि होती है।

(D) अपने भले-बुरे का निर्धारण करता है।

(ii) सुमति संपन्न व्यक्ति की क्या विशेषता होती है ? *1*

(A) सभी प्राणियों को अपना समझता है।

(B) इशारे से सबकी भावनाओं को समझ लेता है।

(C) विवेकशक्ति तीव्र होती है।

(D) कार्य आरंभ करके बीच में नहीं छोड़ता है।

(iii) मनीषियों ने आचरण-संहिता को उपयोगी कैसे बनाया ? *1*

(A) समय-समय पर युगानुकूल संशोधनों द्वारा

(B) अनुपयोगी तथ्यों को जोड़कर

(C) समाज से सलाह करके

(D) निरंतर मंथन करके

(iv) कलुषित भावनाएँ कब मन-मस्तिष्क में भर जाती हैं ? *2*

(v) सही मार्ग से भटकने का क्या फल होता है ? *2*

(vi) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य का तात्पर्य क्या है ? *2*

(vii) सद्‌बुद्धि का जीवन में क्या महत्त्व है ? *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो
पीयूष चन्द्रमाओं को पकड़ निचोड़ो।

चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे !
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे !

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये,
मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाये।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है
मरता है, जो एक ही बार मरता है।

तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे,
जीना हो तो मरने से डरो नहीं रे !

स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है।

वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे !
जो पड़े आन, खुद ही सब आग सहो रे !

(i) पद्यांश में किस प्रकार की भावनाएँ व्यक्त की गई हैं ? *1*

(A) अधीरता की

(B) चिंता की

(C) वीरता की

(D) भीरुता की

(ii) 'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' इस पंक्ति से कौन-सा भाव प्रकट होता है ? *1*

(A) द्वन्द्व

(B) वैराग्य

(C) पराक्रम

(D) ज्ञान

(iii) 'दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है' इस पंक्ति में कवि ने किस सत्य का आभास कराया है ? *1*

(A) भाग्य के लिखे को कोई मिटा नहीं सकता

(B) मृत्यु अवश्यंभावी है

(C) परोपकार सबसे बड़ा पुण्य है

(D) मृत्यु बार-बार नहीं आती

(iv) इस कविता से क्या प्रेरणा मिलती है ? *2*

(v) स्वाधीन रहने वाले देश के लोगों की भावनाओं को अपने शब्दों में लिखिए। *2*

(vi) 'चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे' – से क्या आशय है ? *1*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i) दूरदर्शन के लिए समाचार लिखते समय किस बात पर विशेष ध्यान दिया जाता है और क्यों ? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ii) उलटा पिरामिड शैली में समाचारों को किन हिस्सों में विभाजित कर लिखा जाता है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(iii) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ? इसका प्रयोग किन कार्यों के लिए होता है ?

(शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) मुद्रित माध्यमों के पाठकों के पास वे कौन-सी सुविधाएँ हैं, जो रेडियो के श्रोताओं के पास नहीं हैं ?

(ii) साहित्यिक लेखन और पत्रकारीय लेखन के अंतर को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि पत्रकारीय लेखन में किन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

(iii) विशेष लेखन का क्या तात्पर्य है ? पत्रकारिता में विशेष लेखन से बीट का संबंध बताते हुए उसकी भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(i) हँसना ज़रूरी है

(ii) होनहार बिरवान के होत चीकने पात

(iii) सावधानी ही सुरक्षा है

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) कविता के लिए चित्रभाषा की आवश्यकता पर बल क्यों दिया जाता है ? प्राकृतिक दृश्यों को सजीव चेतन बिंब के रूप में प्रस्तुत करने वाली किसी कविता का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ii) नाटक में संवादों का महत्त्व क्यों होता है ?

(iii) कहानी में केंद्रीय बिंदु किसे माना जाता है ? एक सफल कहानीकार के लिए कहानी में किस तत्त्व का समावेश करना अनिवार्य होना चाहिए ? उस तत्त्व की व्याख्या कीजिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

श्रमित स्वप्न की मधुमाया में,
गहन-विपिन की तरु-छाया में
पथिक उनींदी श्रुति में किसने –
यह विहाग की तान उठाई।

लगी सतृष्ण दीठ थी सबकी,
रही बचाए फिरती कब की
मेरी आशा आह ! बावली,
तूने खो दी सकल कमाई।

(i) काव्यांश में किस मनोभाव को प्रकट किया गया है ?

(A) दुराशा (B) निराशा
(C) प्रत्याशा (D) सुखाशा

(ii) श्रमित स्वप्न में अलंकार है :

(A) रूपक (B) उत्प्रेक्षा
(C) उपमा (D) मानवीकरण

(iii) काव्यांश में प्रयुक्त 'विहाग' के विषय में सही कथन है/हैं :

I. यह एक लोकप्रिय और मधुर शास्त्रीय राग है।
II. यह वियोग के समय गाए जाने वाला राग है।
III. यह रात्रि के दूसरे प्रहर में गाया जाने वाला राग है।
IV. यह रात्रि के प्रथम प्रहर में गाया जाने वाला राग है।

उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

(A) I और II (B) II और III
(C) I और III (D) केवल IV

(iv) 'लगी सतृष्ण दीठ थी सबकी' पंक्ति में प्रयुक्त 'सतृष्ण' शब्द का अर्थ ***नहीं*** है :

(A) प्यास से युक्त (B) इच्छा से पूर्ण
(C) लालच से युक्त (D) तेज़ से युक्त

(v) आशा को बावली क्यों कहा गया है ?

(A) आशा व्यक्ति को काल्पनिक सुख में भरमाए रखती है।

(B) आशा में व्यक्ति दिन-रात कठिन संघर्ष करता है।

(C) आशा के सहारे व्यक्ति जीवन के कष्टों को सहन करता है।

(D) आशा व्यक्ति को कभी भी हारने नहीं देती।

8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'तोड़ो' कविता में धरती और मन की भूमि में कवि को दिखाई पड़ने वाली समानताओं का वर्णन कीजिए।

(ii) 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता में 'रंग गई क्षणभर ढलते सूरज की आग से।' पंक्ति के आलोक में लिखिए कि सूरज की आग ने बूँद को किस प्रकार विशिष्ट बना दिया ?

(iii) तुलसी के पद 'राघौ ! एक बार फिरि आवौ।' में माता कौशल्या राम से क्या आग्रह कर रही हैं और क्यों ?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(i) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

अथवा

(ii) घर-घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रँग लै गा नाहू।।
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई।।
सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा।।
यह दुख दगध न जानै कंतू। जोबन जनम करै भसमंतू।।
पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग।
सौ धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग।।

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

भारतेंदु मंडल की किसी सजीव स्मृति के प्रति मेरी कितनी उत्कंठा रही होगी, यह अनुमान करने की बात है। मैं नगर से बाहर रहता था। एक दिन बालकों की मंडली जोड़ी गई, जो चौधरी साहब के मकान से परिचित थे, वे अगुआ हुए। मील डेढ़ का सफ़र तै हुआ। पत्थर के एक बड़े मकान के सामने हम लोग जा खड़े हुए। नीचे का बरामदा खाली था। ऊपर का बरामदा सघन लताओं के जाल से आवृत था। बीच-बीच में खंभे और खुली जगह दिखाई पड़ती थी। उसी ओर देखने के लिए मुझसे कहा गया। कोई दिखाई न पड़ा। सड़क पर कई चक्कर लगे। कुछ देर पीछे एक लड़के ने उँगली से ऊपर की ओर इशारा किया। लता-प्रतान के बीच एक मूर्ति खड़ी दिखाई पड़ी। दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे। एक हाथ खंभे पर था। देखते ही देखते यह मूर्ति दृष्टि से ओझल हो गई। बस, यही पहली झाँकी थी।

(i) गद्यांश में किसी साहित्यकार को प्रत्यक्ष देखने की उत्कंठा से लेखक के मन की कौन-सी भावना निहित है ?

(A) आक्रोश (B) सहानुभूति

(C) सम्मान (D) उत्साह

(ii) 'दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे' इस कथन से चौधरी साहब के व्यक्तित्व के बारे में आप क्या अनुमान लगाते हैं ?

(A) बाल बढ़ाकर रखना उनकी प्रतिज्ञा थी।

(B) बाल कटवाने/छँटवाने की सुविधा नहीं थी।

(C) उन्हें लंबे बाल रखने का शौक था।

(D) छोटे बाल रखना उनकी कुल-परंपरा नहीं थी।

(iii) गद्यांश में आया वाक्य "ऊपर का बरामदा सघन लताओं के जाल से आवृत था" – चौधरी साहब के बारे में किस बात को द्योतित करता है ?

(A) स्वाध्याय प्रेम

(B) प्रकृति-प्रेम

(C) आत्मानुशासन प्रेम

(D) कला प्रियता

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : चौधरी प्रेमघन की पहली झलक से ही लेखक प्रभावित था।

कारण : प्रेमघन का व्यक्तित्व अनोखा और आकर्षक था।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(v) लेखक चौधरी साहब से मिलने के लिए उत्कंठित थे, क्योंकि वे :

(A) भारतेंदु हरिश्चंद्र के मित्र थे।

(B) पिताजी के अच्छे मित्र थे।

(C) प्रसिद्ध साहित्यकार थे।

(D) आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी थे।

11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(i) ज़रा-सी आहट पाते ही वे एक साथ सिर उठाकर चौंकी हुई निगाहों से हमें देखती हैं – बिलकुल उन युवा हरिणियों की तरह, जिन्हें मैंने एक बार कान्हा के वन्य-स्थल में देखा था। किंतु वे डरती नहीं, भागतीं नहीं सिर्फ़ विस्मय से मुस्कुराती हैं और फिर सिर झुकाकर अपने काम में डूब जाती हैं। यह समूचा दृश्य इतना साफ़ और सजीव है – अपनी स्वच्छ मांसलता में इतना संपूर्ण और शाश्वत-कि एक क्षण के लिए विश्वास नहीं होता कि आने वाले वर्षों में सब कुछ मटियामेट हो जाएगा – झोपड़ें, खेत, ढोर, आम के पेड़ – सब एक गंदी, 'आधुनिक' औद्योगिक कॉलोनी की ईंटों के नीचे दब जाएगा।

अथवा

(ii) व्यक्ति की 'आत्मा' केवल व्यक्ति तक ही सीमित नहीं है, वह व्यापक है। अपने में सब और सबमें आप – इस प्रकार की एक समष्टि-बुद्धि जब तक नहीं आती तब तक पूर्ण सुख का आनंद भी नहीं मिलता। अपने आप को दलित द्राक्षा की भाँति निचोड़कर जब तक 'सर्व' के लिए निछावर नहीं कर दिया जाता तब तक स्वार्थ खंड-सत्य है, वह मोह को बढ़ावा देता है, तृष्णा को उत्पन्न करता है और मनुष्य को दयनीय कृपण बना देता है। कार्पण्य दोष से जिसका स्वभाव उपहत हो गया है उसकी दृष्टि म्लान हो जाती है, वह स्पष्ट नहीं देख पाता।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) अपने समाज या आसपास के किसी रीति-रिवाज या अंधविश्वास का उल्लेख करते हुए आज के वैज्ञानिक युग में उसकी प्रासंगिकता पर 'ढेले चुन लो' पाठ के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) संवदिया की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि संवदिया की भूमिका मिलने पर आप उसका दायित्व और भूमिका कैसे निभाएँगे।

(iii) 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर लिखिए कि केबिल कार में बैठे संभव के मन में क्या कल्पनाएँ आ रही थीं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के संदर्भ में सूरदास के चरित्र की विशेषताएँ बताते हुए लिखिए कि लेखक ने गर्म राख को उसकी अभिलाषाओं की राख क्यों कहा है ?

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' शीर्षक पाठ में ग्रामीण परिवेश की विषमताओं का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

(iii) 'अपना मालवा-खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि पानी के संरक्षण के लिए क्या-क्या उपाय किए जाते थे ? जल संरक्षण के पारंपरिक साधनों का स्थान अब किसने ले लिया और उसके क्या दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं ?